हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 114 | जौनपुर, शुक्रवार 19 जनवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

समय, समाज, जाति, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं से परे राम, सीता और रामायण का महात्मय : मोदी

एजेन्सी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अयोध्या में राम मंदिर पर स्मारक डाक टिकट और दुनिया भर में भगवान राम पर जारी डाक टिकटों की एक पुस्तक जारी की और कहा कि ये श्री राम, माता सीता और रामायण की एक झलक पेश करते हैं। प्रधानमंत्री ने 'एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, ''आज पवित्र अयोध्या धाम की विरासत और भगवान श्री राम को समर्पित स्मारक डाक टिकट जारी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर दुनियाभर में प्रभु श्री राम पर जारी टिकटों से जुड़ी एक पुस्तक का अनावरण भी किया।श

उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि स्मारक डाक टिकट और यह पुस्तक आने वाली कई पीढ़ियों को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा के इस पावन अवसर का स्मरण कराती रहेगी। इससे पहले, उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि डाक टिकट केवल कागज या कलाकृति का एक टुकड़ा भर नहीं हैं बल्कि यह महाकाव्यों और महान विचारों का एक लघु रूप हैं। अधिकारियों ने बताया कि इसके डिजाइन में राम मंदिर, चौपाई 'मंगल भवन अमंगल हारी सूर्य, सरयू नदी और मंदिर की एवं इसके आसपास की मूर्तियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि छह डाक टिकट राम मंदिर, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, जटायु, केवटराज और मां शबरी पर हैं। मोदी ने कहा कि राम, सीता और रामायण का महात्मय समय, समाज, जाति, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं से परे है और ये हर किसी को जोड़ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि रामायण 'प्रेम की जीत का संदेश देती है और मानवता को जोड़ते हुए लोगों को सबसे कठिन समय में त्याग, एकता और बहादुरी सिखाती है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि महाकाव्य वैश्विक आकर्षण का केंद्र रहा है और हर जगह इसे सम्मान दिया जाता है। डाक टिकट पर आधारित पुस्तक पर भगवान राम की अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता को दर्शाया गया है और 48 पृष्ठों की इस पुस्तक में अमेरिका, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, कनाडा, कंबोडिया और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों सहित 20 से अधिक देशों द्वारा जारी डाक टिकटों को शामिल किया गया है। मोदी ने कहा कि डाक टिकट और पुस्तक युवाओं को बहुत कुछ सीखने में मदद करेंगे और ये युवाओं को भगवान राम की भक्ति की भावना से ओतप्रोत करेंगे। उन्होंने कहा कि वे मंदिर की वास्तुकला और पंचतत्व के दर्शन की भी झलक पेश करते हैं।

मोदी ने कहा कि कई देशों ने भगवान राम पर डाक टिकट जारी किए हैं और वह भारत के बाहर भी कई लोगों के लिए आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने विभिन्न सभ्यताओं पर भी गहरा प्रभाव डाला है। अधिकारियों ने बताया कि सूर्य की किरणें और 'चौपाई इस पुस्तक को शानदार स्वरूप में प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा कि पांच भौतिक तत्व, ''आकाश, वायु, अग्नि, पृथ्वी और जल, विभिन्न डिजाइन के माध्यम से इसमें परिलक्षित होते हैं और अपना पूर्ण सामंजस्य स्थापित करते हैं जो सभी अभिव्यक्तियों के लिए आवश्यक है। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले ये स्मारक डाक टिकट जारी किये गए।

गोमती की लहरों पर निकली भगवान श्रीराम की शोभयात्रा

एजेन्सी

लखनऊ। राममयी नाव जिस पर चारों ओर लगे रामनामी झंडे और नाव पर लगा भगवान श्रीराम का भव्य कटआउट। यह नजारा था निशातगंज स्थित बोट क्लब का जहां उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक समारोह में एसोसिएशन की अधिकृत टाई की लांचिंग के बाद गोमती नदी की लहरों पर भगवान श्रीराम की शोभायात्रा निकली। राममय हो चुके इस माहौल में उपस्थित अतिथिगण सहित खिलाड़ियों ने पुष्पवर्षा करते हुए जयश्रीराम के उद्घोष के साथ पूरा बोट क्लब भगवान राम के नाम से गुंजायमान कर दिया। इस समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय सहित विशिष्ट अतिथिगण उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष डा.सैयद रफत जुबैर रिजवी (महासचिव, लखनऊ ओलंपिक संघ) सहित रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के आजीवन उपाध्यक्ष डा.आईडी शर्मा ने उत्तर प्रदेश तैराकी संघ के सचिव रविन कपूर, उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष पुनीत अग्रवाल की मौजूदगी में उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन की अधिकृत टाई का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने उत्तर प्रदेश में पिछले वर्ष गोरखपुर के रामगढ़ताल में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की रोइंग की स्पर्धाओं में तकनीकी अधिकारी की भूमिका का निर्वहन करने वाले 15 लोगों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश में रोइंग खेल के विकास की काफी संभावनाएं है। इसको आगे बढ़ाने के लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे।

उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि अगले सोमवार यानि 22 जनवरी को पूरे देशवासियों की आस्था के केंद्र श्रीरामलला का अयोध्या धाम में अपने दिव्य–भव्य मंदिर में आगमन होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राममय हुई आधुनिक अयोध्या त्रेतायुगीन वैभव सी सजने लगी है तो वहीं रामपथ की दुकानों पर फहरा रही राम पताका बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष डा.सैयद रफत जुबैर रिजवी ने कहा कि हमारा प्रयास होगा कि लखनऊ के इस बोट क्लब पर जल्द ही खिलाड़ियों का अभ्यास प्रारंभ् हो सके। उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के सचिव सुधीर शर्मा ने बताया कि भारत वासियों के लिए बड़े गौरव और सम्मान की बात है कि हम सब इस 22 जनवरी को श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में प्रभु की प्राण प्रतिष्ठा होते अपने आंखों से देखने जा रहे हैं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन भी अपनी गतिविधियों के विस्तार की ओर काम कर रहा है।

नगर विकास मंत्री ने किया 23 नगरीय निकायों में अमृत सरोवरों का शिलान्यास

एजेन्सी

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अमृत–2.0 योजना के अन्तर्गत 23 नगरीय निकायों नगरपालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों की वाटर बाडीज रिजुवनेशन के लिए तैयार किये गये अमृत सरोवरों का वर्चुअल शिलान्यस किया और इस दौरान निर्मित तालाबों की वास्तविकता को भी वीडियो के माध्यम से देखा। उन्होंने नगरपालिका परिषदों व नगर पंचायतों के चेयरमैन व अधिशासी अधिकारियों से अमृत सरोवरों के बेहतर संरक्षण एवं पुनर्निर्माण के बारे में संवाद भी किया। उन्होंने इन सभी निकाय अधिकारियों को अमृत सरोवरों के जीर्णोद्धार एवं सुन्दरीकरण के लिए स्वीकृत 39.87 करोड़ रूपये की धनराशि का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री की मंशा है कि सभी वाटर बाडीज, कुओं, तालाब व बाउली का संरक्षण किया जाय और इन्हें अच्छे तालाब, कुओं व अमृत सरोवरों के रूप में विकसित किया जाय, जिससे कि जल का संरक्षण किया जा सके, क्योंकि सभी वाटर बाडीज जल संरक्षण के स्रोत हैं, इनका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है। नगर विकास मंत्री शर्मा ने गुरूवार को नगरीय निकाय निदेशालय में 23 नगरीय निकायों में निर्मित किये गये अमृत सरोवरों का वर्चुअल शिलान्यास करते हुए कहा कि निकायों के सभी पदाधिकारी और अधिकारी मिलकर अपने–अपने क्षेत्रों के तालाबों, वाटर बाडीज को अतिक्रमणमुक्त कराएं। इनका ऐसा जीर्णोद्धार, नवीनीकरण व पुनर्निर्माण कराएं, जिससे कि आने वाले 50 वर्षों तक इन अमृत सरोवरों का सदुपयोग हो सके, इसके लिए विधिवत प्लानिंग कर, इनोवेटिव सोंच रखकर इनका विकास कराएं और अच्छे सरोवर बनाएं।

अधिकारियों को भी इन सरोवरों की नियमित रूप से मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिये। अमृत सरोवरों के निर्माण एवं सुन्दरीकरण में जो अच्छा कार्य करेंगे, उनको प्रदेश स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया जायेगा।मंत्री ने कहा कि अमृत सरोवरों के सुन्दरीकरण के लिए वृक्षारोपण किया जाय, बगीचे लगाये जाएं, जहां पर जरूरी हो वहां फूल–पौधे भी लगाये जाएं। 15 अगस्त और 26 जनवरी के दिन ध्वजारोहण हेतु स्थान भी बनाएं।

बिलकिस बानो मामला, दोषियों ने मांगी आत्मसमर्पण की मोहलत, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई कल

एजेन्सी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बिलकिस बानो मामले में सामूहिक बलात्कार और हत्या के 11 दोषियों की समयपूर्व रिहाई पर रोक लगाने के कुछ दिनों बाद, उनमें से तीन ने शीर्ष अदालत के समक्ष आवेदन दायर कर जेल अधिकारी के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए समय बढ़ाने की मांग की है। गुरुवार को न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने इन आवेदनों को सुनवाई के लिए 19 जनवरी को सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने रजिस्ट्री को आदेश दिया कि वह भारत के मुख्य न्यायाधीश से एक विशेष पीठ गठित करने के निर्देश प्राप्त करें, जिसमें वह और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां शामिल हों, जिसने पहले गुजरात सरकार द्वारा दघ्ए गए छूट के आदेश को रद्द कर दिया था और दोषियों को 21 जनवरी तक जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए कहा था। अपने आवेदन में, एक दोषी ने अनुरोध किया कि उसके 88 वर्षीय बिस्तर पर पड़े पिता पूरी तरह से उस पर निर्भर हैं और उसकी 75 वर्षीय मां का स्वास्थ्य भी खराब है। इसके अलावा, उन्हें बवासीर के इलाज के लिए ऑपरेशन भी कराना है। आवेदन में कहा गया है, "प्रतिवादी (दोषी) और उसके परिवार द्वारा सामना की जा रही कठिनाइयों के मद्देनजर और न्याय के हित में, प्रतिवादी को संबंधित जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए चार सप्ताह का विस्तार दिया जाना चाहिए। एक अन्य दोषी मितेश चिमनलाल भट्ट ने कहा कि वह लगभग 62 साल के हैं और उन्होंने मोतियाबिंद के लिए आंख की सर्जरी कराई है।

भट्ट ने अपने आवेदन में अनुरोध किया, चूंकि आवेदक द्वारा उत्पादित शीतकालीन फसलें कटाई और अन्य प्रक्रियाओं के लिए तैयार हैं, इसलिए आवेदक को ऐसी कटाई और अन्य प्रक्रियाओं के लिए 5 से 6 सप्ताह की आवश्यकता है। इसी तरह, एक अन्य आवेदन में आत्मसमर्पण के लिए समय अवधि चार सप्ताह बढ़ाने की मांग करते हुए कहा गया है कि आवेदक का छोटा बेटा विवाह योग्य उम्र का है और वह यह जिम्मेदारी पूरा करना चाहते हैं। अपने 8 जनवरी के आदेश में, दोषियों की स्वतंत्रता की सुरक्षा के लिए याचिका को खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यदि छूट के आदेशों को रद्द कर दिया जाता है, तो प्राकृतिक परिणाम भुगतने होंगे। इसमें कहा गया है, कानून के शसन को देखते हुए हमने छूट के विवादित आदेश को रद्द कर दिया है, तो स्वाभाविक परिणाम सामने आने चाहिए।श इसमें दोषियों को दो सप्ताह के भीतर संबंधित जेल अधिकारियों को रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है।

प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों में जुटा एलडीए

लखनऊ। अयोध्या में भगवान राम के प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर राजधानी लखनऊ को भी सजाने का काम तेज हो गया है। चौराहों से लेकर सभी प्रमुख सड़कों को खूबसूरत लाइट से सजा दिया गया है। इसके अलावा लगातार साफ–सफाई और अन्य काम जारी है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि विशेष तैयारी की जा रही है। इसमें नगर निगम, लेसा, लोक निर्माण विभाग और अन्य विभागों के सहयोग से काम हो रहा है। उन्होंने बताया कि इसमें लाइट लगाने का काम लगभग पूरा हो गया है। इसमें 1090 चौराहा, लोहिया पार्क चौराहा, समता मूलक चौराहे समेत सभी जगहों को काफी खूबसूरत कर दिया गया है। शहर में मुख्यमंत्री चौराहे से अयोध्या रोड तक 101 कलश लाइट लगाया जाएगा। अभी 50 लाइट बनके तैयार हो गई है। यह काफी खूबसूरत नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि 22 से पहले सभी लाइट लग जाएंगी। अयोध्या रोड पर वॉल राइटिंग की जाएगी। इसके लिए एनएचआई के सहयोग से काम किया जा रहा है। पूरे रास्ते में अयोध्या और भगवान राम से जुड़ी वॉल राइटिंग की जाएगी। वॉल राइटिंग के लिए विशेष टीम लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इसको लेकर आदेश जारी कर दिया गया है। गुरुवार शाम से काम शुरू हो जाएगा। 22 जनवरी को लखनऊ कर्मचारी संघ और अधिकारी मिलकर मुख्यालय में अखंड रामायण का आयोजन करेंगे। इसको लेकर सभी लोगों को निर्देश दे दिया गया है।

लोकसभा चुनाव से पहले आप को बड़ा झटका, अशोक तंवर ने पार्टी को कहा अलविदा

एजेन्सी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है। चित्रा सरवारा और निर्मल सिंह के बाद अब अशोक तंवर ने आम आदमी पार्टी को अलविदा कह दिया है। हरियाणा के वरिष्ठ नेता तंवर ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को अपना इस्तीफा भेज दिया है। अशोक तंवर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के गठबंध के चलते नाराज थे। उन्होंने इस्तीफे में लिखा कि आम आदमी पार्टी ने जिस तरह इंडियन नेशनल कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया है, इससे मेरा जमीर गवाही नहीं देता है। इसलिए मैं इलेक्शन कंप्लेंट कमेटी का अध्यक्ष होने के नाते और पार्टी की प्राइमरी मेंबरशिप से इस्तीफा देता हूं।मैं लगातार हरियाणा और भारत देश के लिए की भलाई के लिए काम करता रहूंगा।

वहीं सूत्रों के मुताबिक हरियाणा के दिग्गज दलित नेता अशोक तंवर आप को अलविदा कहने के बाद 20 जनवरी को भाजपा ज्वाइन कर सकते हैं। तंवर का हरियाणा लंबा राजनीतिक कैरियर है। लंबे समय तक वह हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर रहे हैं। 2019 विधानसभा चुनाव से पहले हुड्डा और अशोक तंवर में अनबन के चलते उन्हें अध्यक्ष पद से हटा दिया गया, जिसके बाद तंवर कांग्रेस पार्टी छोड़ दी। राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले अशोक तंवर ने कांग्रेस छोड़ने के करीब सवा साल बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी का पटका पहना और हरियाणा में दीदी की पार्टी के अध्यक्ष बन कैडर बनाने में जुट गए। करीब 6 माहीने के बाद तंवर टीएमसी भी छोड़ दी।टीमएसी को अलविदा कहने के बाद अशोक तंवर ने तेजी से उभर रही आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। इस पार्टी में वह काफी सक्रिय रहे। आप हरियाणा की चौकड़ी(सुशील गुप्ता, अनुराग ढांडा, अशोक तंवर, चित्रा सरवारा) में अशोक तंवर एक अहम कड़ी थे। वह प्रदेश स्तर के कार्यक्रमों में अपनी टीम के साथ ना सिर्फ हिस्सा लिया बल्कि सरकार ही नहीं विरोधियों को भी घेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। इस बीच आप हरियाणा की चौकड़ी टूटने लगी। पहले चित्रा सरवारा ने पार्टी छोड़कर कांग्रेस में घर वापसी कर ली। अब इसके बाद अशोक तंवर का भी विकेट गिर गया। हलांकि इस्तीफे में पार्टी छोड़ने का कारण उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन बताया है। वहीं राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अशोक तंवर राज्यसभा जाने की आस लगाए थे। लेकिन उनकी उम्मीदों पानी फिरा तो वह पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बना लिए। वहीं अब विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि अशोक तंवर 5 साल में चौथी पार्टी बदलने वाले हैं और भाजपा ज्वाइन करते हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज 5वां दिन, असम के शिवसागर से हुई शुरू

एजेन्सी

गुवाहाटी। राहुल गांधी के नेतृत्व में 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अपनी यात्रा के पांचवें दिन असम के शिवसागर से गुरुवार को शुरू हुई और असम में प्रवेश कर गई है। शिवसागर जिले से शुरू होकर यह यात्रा असम के 17 जिलों से गुजरेगी और 833 किमी का सफर तय करेगी। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा में असम पर खास फोकस है। असम में यात्रा आठ दिनों तक चलेगी। असम के शिवसागर जिले के अमगुरी और जोरहाट जिले के मारियानी इलाके में राहुल गांधी दो जनसभाओं को संबोधित भी करेंगे। साथ ही जनसभा से पहले राहुल गांधी अमगुरी और मारियानी में रोड शो भी करेंगे। असम में यात्रा सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली से भी गुजरेगी। बता दें, भारत जोड़ो न्याय यात्रा के कारण असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने 18 जनवरी और 19 जनवरी को जोरहाट और डेरगांव में अपने कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं।

आईआईटी कानपुर में पीएचडी छात्रा ने किया सुसाइड

एजेन्सी

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–कानपुर (आईआईटी) में 29 वर्षीय पीएचडी छात्रा ने बृहस्पतिवार को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने कहा कि छात्रा की पहचान केमिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की छात्रा प्रियंका जायसवाल के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर अपने छात्रावास के कमरे में पंखे से फंदा लगा लिया।

जायसवाल ने गत 29 दिसंबर को संस्थान में प्रवेश लिया था। पिछले एक माह में आईआईटी–कानपुर परिसर में यह आत्महत्या का तीसरा मामला है। अपर पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) आकाश पटेल ने कहा कि उन्हें दोपहर करीब एक बजे पीएचडी छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम मौके पर पहुंचीं, उन्होंने पाया कि छात्रा के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़ने पर छात्रा का शव पंखे से लटका हुआ पाया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा ने लिया जनांदोलन का रूप

भारत को 2047 तक बनाना है आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र : केशव

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने "विकसित भारत संकल्प यात्रा" के अवसर पर दुबग्गा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा लाभार्थियों के साथ किये गये वर्चुअल संवाद कार्यक्रम को सुना।उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चाभी वितरित किया व विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया।श्री मौर्य ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा ने जन आंदोलन का रूप ले लिया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा शासकीय योजनाओं से वंचित पात्र हितधारकों के लिए स्वर्णिम अवसर है। विकसित भारत संकल्प यात्रा 2047 तक विकसित भारत संकल्प में मील का पत्थर साबित होगी। हम सभी भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र व दुनिया की महाशक्ति बनाने के संकल्प के साथ इस कार्यक्रम से जुडें। भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है।मोदी की गारंटी गाड़ी" द्वारा वंचित छूटे लोगों को योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है उप मुख्यमंत्री द्वारा "विकसित भारत संकल्प यात्रा" के तहत "हमारा संकल्प विकसित भारत" के निमित्त भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनाने, गुलामी की मानसिकता से उपर उठने, देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करने तथा भारत की एकता को सुदृढ़ रखते हुए देश की रक्षा करने वालो का सम्मान करने तथा एक अच्छे नागरिक के रूप में अपना कर्तव्य निभाने से सम्बंधित शपथ दिलाई गयी। इस अवसर पर "विकसित भारत संकल्प यात्रा" के उद्देश्यों विस्तार से प्रकाश डाला।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा पंच प्रण के संकल्प को व्यवहारिक धरातल पर उतारने के लिए "विकसित भारत संकल्प यात्रा" गांव –गांव जा रही है। जिसका उद्देश्य पूरे देश के अन्दर केन्द्र राज्य सरकार द्वारा संचालित समस्त जन कल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं को जन–जन तक पहुॅचाना, किसी भी योजना से वंचित रह गये।

योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया।श्री मौर्य ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा ने जन आंदोलन

सम्पादकीय

संवेदनशील सीमा

पिछले दिनों सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का एक बयान मीडिया की सुर्खियां बना था कि 'भारत–चीन सीमा पर स्थिति स्थिर है लेकिन बेहद संवेदनशील है।' तब इस वक्तव्य को लेकर कयास लगाये जा रहे थे कि इस बयान के तात्कालिक निहितार्थ क्या हैं। जाहिर है इस स्थिति के चलते हम अपने सतर्कता प्रयासों को कम नहीं कर सकते हैं। पीएलए के किसी भी दुस्साहस को रोकने के लिये चौबीसों घंटे निगरानी की जरूरत महसूस की जा रही है। यह बात तो तय है कि मौजूदा हालात में भारत अपनी सुरक्षा तैयारियों को लेकर किसी तरह की ढील नहीं दे सकता। थल सेनाध्यक्ष के बयान के निहितार्थ तब सामने आए जब द ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि सितंबर 2021 और नवंबर 2022 के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर भारतीय और चीनी सैनिक कम से कम दो बार भिड़े हैं। इस पंद्रह महीने की अवधि के दौरान भारत ने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी पीएलए की निगरानी के उद्देश्य से कई गुप्त अभियान भी चलाए। दरअसल, ये झड़पें और ऑपरेशन पहले सार्वजनिक विमर्श में नहीं आए। पिछले दिनों पश्चिमी और मध्य सेना कमांड के एक कार्यक्रम में आयोजित अलंकरण समारोह के दौरान वीरता पुरस्कारों के लिये प्रशस्ति पत्र पढ़ने के दौरान इन तथ्यों का खुलासा हुआ। दरअसल, ये स्थितियां सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे द्वारा एलएसी को संवेदनशील बताये जाने की पुष्टि करती हैं। जिसका साफ निष्कर्ष यह भी है कि हम अपनी सुरक्षा तैयारियों से किसी भी तरह का समझौता नहीं कर सकते। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि क्षेत्र में अपने साम्राज्यवादी मंसूबों को अंजाम देने के लिये चीन लगातार ताकत के बल पर अपने भू–भाग को विस्तार देने की कुत्सित कोशिश में लगा रहता है। भारत ही नहीं, अपने दर्जन भर पड़ोसियों से उसका लगातार सीमा विवाद चलता रहता है। यहां तक कि विवाद के ये मामले अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय तक भी पहुंचे हैं। दरअसल, अब चाहे थल सीमा हो या समुद्री सीमा, चीन की कोशिश लगातार छोटे देशों को दबाने की होती है। इसी तरह वह भारत की सीमा पर अतिक्रमण करके सामरिक बढ़त लेने की फिराक में रहता है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत किसी भी उकसावे का सावधानीपूर्वक, लेकिन दृढ़ता से चीन को जवाब दे। यहां उल्लेखनीय है कि भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष से दो टूक शब्दों में कह दिया है कि जब तक सीमा पर कोई मान्य समाधान नहीं निकाला जाता, तब तक दोनों देशों के बीच अन्य संबंधों को सामान्य रूप से आगे बढ़ाने की कोई गुंजाइश नहीं रहती है। यदि चीन भारत के साथ सामान्य आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने की उम्मीद करता है तो पहले सीमा पर स्थिति सामान्य होनी चाहिए। देखा जाए तो इस तरह वास्तविक नियंत्रण रेखा के विवादों के समाधान व द्विपक्षीय संबंधों को पटरी पर लाने का मार्ग प्रशस्त करने की जिम्मेदारी बीजिंग पर ही है। बहरहाल, यह उचित ही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के चलते सीमा पर होने वाले टकराव और उस बाबत चलाए गए अभियानों की गोपनीयता बनी रहे। लेकिन एक बात तो तय है कि जून 2020 के गलवान संघर्ष के बाद हाल के वर्षों में सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव में किसी तरह की कमी नहीं आई है। पिछले साल, पेंटागन की एक रिपोर्ट में भी इस बात का दावा भी किया गया था कि चीन एलएसी पर तनाव को बढ़ाने वाली हरकतों को अंजाम दे रहा है। वर्ष 2022 में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर डोकलाम के निकट चीन ने भूमिगत भंडारण सुविधाएं स्थापित की हैं। वहीं दूसरी ओर चीनी सेना की आवाजाही को गतिशील बनाने के लिये पैंगोंग झील पर दूसरा पुल बनाया गया है। वहीं सीमा के पास दोहरे उद्देश्य वाला हवाई अड्डा भी बनाया गया है। इतना ही नहीं सीमावर्ती इलाके में हेलीपैड बनाने के साथ ही सुरक्षा बलों की तैनाती को विस्तार देने के मकसद से बुनियादी ढांचे में वृद्धि की गई है। ऐसे में हम सुरक्षा तैयारियों को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं कर सकते।

आज का राशि फल

मेष :– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा।

वृषभ :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जरूरी कायरे की समय से पूर्ति करें।

मिथुन :– नये क्षेत्रों मे प्रयास से लाभ संभव। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कर्क :– सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। रोजगार में क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा।

सिंह :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कन्या :– मन को सकारात्मक दिशा की ओर केंद्रित करें। भाग्य से प्राप्त अच्छी बुरी सभी स्थितियों के साथ समझौतावादी बने। अपने सुख–दुख छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। आलस्य कतई न करें।

तुला :– पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरनें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक :– भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

धनु :– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में न जाया करें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकते हैं। जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।

मकर :– सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। रोजगार में लाभ के नये अवसर मिलेंगे। पिता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। किसी मेहमान के आगमन से घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कुंभ :– किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्टप्रद माहौल होगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। रोजगार में आ रही समस्याओं से निराश न हों।

मीन :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

ईवीएम आंदोलन में विपक्ष अनुपस्थित

पिछले करीब 5 वर्षों से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर देश भर में संशय का माहौल है। बड़ी संख्या में लोगों का मानना है कि ये मशीनें सही नतीजे नहीं देतीं और इसे हैक किया जा सकता है। उनका आरोप है कि जबसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र में आई है तभी से इनका जमकर दुरुपयोग हो रहा है। इसे लेकर विपक्ष के कई संगठन व नेता आवाजें तो उठाते रहे हैं परन्तु इसे लेकर कोई बड़ा आंदोलन नहीं हुआ, जिसकी जरूरत इसलिये महसूस की जाती है क्योंकि सरकार, निर्वाचन आयोग तथा सुप्रीम कोर्ट विपक्ष के या अन्य संगठनों की ओर से इस पर उठाये गये सवालिया निशानों का संतोषजनक उत्तर नहीं देती। अब इस मुद्दे पर दिल्ली में वरिष्ठ वकील सड़कों पर उतर आये हैं। कुछ सिविल सोसायटियों के लोग भी हैं पर इन आंदोलनों में जिनकी मुख्य शिरकत होनी चाहिये, वे सिरे से नदारद हैं– यानी विपक्षी दल। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील भानुप्रताप सिंह, महमूद प्राचा, सत्यप्रकाश गौतम आदि निर्वाचन आयोग से मांग कर रहे हैं कि उन्हें कोई भी 50 वोटिंग मशीनें दिलाई जायें ताकि वे उन्हें हैक करने का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कर सकें और इस धारणा को मिटा सकें कि ऐसा नहीं किया जा सकता। आयोग को इस विषय पर एक पत्र भी लिखा गया था जिसके जवाब में आयोग ने साफ किया कि मशीनें विश्वसनीय हैं।

आंदोलनकारी आयुक्त से मिलने का समय भी मांगते रहे जो उन्हें दिया ही नहीं गया। वैसे तो ईवीएम की गड़बड़ियों पर लम्बे समय से शक होता रहा परन्तु वह तब गहराता और पुख्ता होता गया जब बहुत से राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे अप्रत्याशित निकलते गये। जमीनी स्तर पर हालात कुछ और दिखते थे जबकि परिणाम इतने अलग निकले कि स्वयं जीतने वाले उम्मीदवार चौंक पड़ते थे। नवम्बर, 2023 के छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के चुनाव उदाहरण हैं। सारे विश्लेषक, पत्रकार, यहां तक कि आम जनता भी मानकर चल रही थी कि तीनों राज्यों में कांग्रेस जीतेगी। नतीजे एकदम विपरीत निकले। पिछले कुछ समय के अनेक राज्यों के चुनाव भी गिनाये जा रहे हैं जहां समझा जाता था कि भाजपा की जीत असम्भव है। फिर भी उसे विजय मिली। उत्तर प्रदेश में 2022 के प्रारम्भ में हुए चुनाव में उन इलाकों में भी भाजपा के प्रत्याशी जीते जहां विभिन्न कारणों से माहौल उसके खिलाफ था। लखीमपुर खीरी, हाथरस, उन्नाव आदि ऐसी ही सीटें थीं। भाजपा की केन्द्र सरकार ईवीएम के पक्ष में डटकर खड़ी है। उसका दावा है कि मशीनें एकदम ठीक हैं और प्रतिपक्ष अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने का आदी है। इसके लिये हर चुनाव के पहले ईवीएम का विमर्श स्वयं भाजपा यह कहकर छेड़ देती है कि श्अगर भाजपा जीती तो विपक्षी दल ईवीएम का रोना रोएंगे। इसके बावजूद कई लोगों की दृढ़ मान्यता है कि भाजपा की लगातार जीत के पीछे इन्हीं मशीनों का हाथ है जिसे इस प्रकार से प्रोग्राम किया जाता है कि ज्यादातर वोट भाजपा के पक्ष में ही जाते हैं। कई भाजपा नेता तक कहते पाये गये हैं कि वोट किसी को भी दीजिये, मिलेगा तो भाजपा को ही। भाजपा की नीयत पर शक इसलिये होता है क्योंकि भाजपा के ही एक नेता जीएल नरसिम्हा राव ने 2010 में ईवीएम पर एक किताब लिखी थी डेमोक्रेसी एट रिस्क, जिसमें उन्होंने लिखा था कि ईवीएम से चुनाव कराना गलत है। पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने इसकी भूमिका में लिखा था कि श्ईवीएम पर बैन लगाना लोकतंत्र को मजबूत करना है। वहीं भाजपा अब इसके खिलाफ सुनने के लिये तैयार नहीं है। इस दौरान एक और बात उठती रही है। वह है 19 लाख ईवीएम की गुमशुदगी। कहा जाता है कि विभिन्न राज्यों में ये मशीनें ही भाजपा की मर्जी के नतीजे देती है। इसमें कितनी सच्चाई है, कह नहीं सकते लेकिन इस पर सरकार का स्पष्टीकरण अपेक्षित है। अगर मशीनें वाकई गायब हैं तो उसे खोज निकालना होगा। इतनी तादाद में गुम मशीनें कोई भी निर्णय पलट सकती हैं। इसमें वीवीपैट का पक्ष भी अहम है। यह वह रसीद होती है जो बतलाती है कि वोट किसे दिया गया है। वह एक पर्ची के रूप में मतदाता को दिखता है। पहले यह पर्याप्त अवधि तक दिखलाई पड़ता था, परन्तु अब वह 6–7 सेकंड के लिये दिखता है और उसकी पारदर्शिता घटा दी गयी है। ईवीएम विरोधियों का तर्क है कि अगर मशीनों से ही चुनाव कराना हो तो पर्ची वोटर के हाथ में आये जिसे वह खुद बॉक्स में डाले और इसी की गिनती हो। आयोग को यह इस आधार पर मंजूर नहीं कि इससे परिणाम 3–4 दिन देर से निकलेंगे। यह तर्क इसलिये हास्यास्पद है क्योंकि कई बार नतीजे महीने भर बाद निकलते हैं। मशीनों का इस्तेमाल कई देश बन्द कर चुके हैं। भाजपा का इसके प्रति मोह व आग्रह शंकाओं को गहराता है। असली सवाल यह है कि इन आंदोलनों में विपक्ष कहां है? ईवीएम की कथित गड़बड़ियों का सर्वाधिक नुकसान उसे है। वकीलों व सामाजिक कार्यकर्ताओं को चुनाव लड़ना नहीं है फिर भी वे सड़कों पर हैं। फिर, विरोधी दल इस आंदोलन में क्यों नहीं हैं? कुछ नेताओं ने बयानबाजी की है पर वह नाकाफी है।

हवाई जहाज के किनारे भोजन उर्फ सबका साथ सबका विकास

सर्वमित्रा सुरजन

हवाई जहाज के यात्रियों ने हवाई जहाज के बगल में, रनवे की जमीन पर बैठकर भोजन किया। ऐसा महान दृश्य इस महान देश ने कभी नहीं देखा था। पुराने जमाने में जब हवाई जहाज कम हुआ करते थे और गिने–चुने लोग ही हवाई यात्रा करते थे, तब जो लोग हवाई जहाज पर चढ़ नहीं पाते थे, वो हवाईयात्रियों को विमान की सीढ़ी तक छोड़ने और लेने जाया करते थे। यात्रियों के स्वागत और विदाई के लिए गेंदे की फूल–मालाएं हाथ में लेकर लोग जाते थे और दिल में एक हसरत भी कि काश कभी हम भी उड़ान भरने का सुख प्राप्त कर पाते। ये तो नेहरूजी जब तक प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने देश के लाखों लोगों को विमानयात्रा से वंचित रखा। हवा में उड़ने का आनंद देने की जगह आम लोगों के लिए न जाने क्यों आईआईटी, आईआईएम बनवाए, इलाज, खेती, विज्ञान जैसे गैरजरूरी क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया। सार्वजनिक निकाय खड़े किए ताकि लोगों को सरकारी नौकरियां मिल सकें। और अब जब सरकार नौकरी नहीं दे पा रही है, तो चंद देशद्रोही मोदी सरकार पर ही उन्हें बेरोजगार रखने का इल्जाम लगा रहे हैं। जबकि सारी गलती नेहरू की है। आरएसएस के आर्थिक संगठन स्वदेशी जागरण मंच के संयोजक अश्विनी महाजन ने इसे पूरे विस्तार से समझाया है। श्री महाजन ने कहा है कि जवाहरलाल नेहरू की नीतियों के कारण लोग सरकारी नौकरियों के पीछे भागने लगे। हर साल करोड़ों लोग नौकरी बाजार में आते हैं न तो सरकार और न ही बहुराष्ट्रीय कंपनियां इतनी नौकरियां दे सकती हैं। इससे निपटने का एकमात्र तरीका उद्यमियों को तैयार करना है। भारत कभी उद्यमियों का देश था। हमें उस भारत का पुनर्निर्माण करना है, और यह केवल बड़े पैमाने पर समाज के सहयोग से ही हो सकता है। इस कथन की व्याख्या यही समझ आती है कि अब बेरोजगारी के आंकड़े जारी करने और उन पर चिंता जाहिर करने का कोई अर्थ नहीं है। क्योंकि सरकार नौकरी नहीं दे सकती है। मोदीजी ने चुनाव की रौ में भले 2 करोड़ रोजगार हर साल देने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने पकौड़ा तलकर देश के पुनर्निर्माण में योगदान की राह दिखा दी थी। संघ उसी राह पर अब भारत को ले जाना चाहता है। इसलिए वह समाज से सहयोग की अपेक्षा कर रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगीजी ने भी बिल्कुल सही कहा कि हम जनभावनाओं के अनुरूप काम करते हैं। एक न्यूज चौनल की दो महान पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को राहुल गांधी ने राजनैतिक कार्यक्रम बताया है, इस पर आपका क्या कहना है, तो योगीजी ने जवाब दिया कि कांग्रेस को ऐसा करने से किसने रोका था। इस जवाब को सुनकर लगा कि भाजपा हो या संघ, कांग्रेस की कमजोरियों को बिल्कुल सही तरीके से पकड़ते हैं। नेहरूजी ने बांध, कारखानों, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों की जगह मंदिर बनवाए होते तो देश का हिंदू कभी सो ही नहीं पाता, न ही उसे उठाने में मोदीजी को इतनी मेहनत करनी पड़ती कि खुद उन्हें सोने के लिए बमुश्किल 3–4 घंटे मिलते। इसी तरह कांग्रेस ने भी इतने लंबे वक्त के शासन में पंचायती राज, श्वेत क्रांति, हरित क्रांति, संचार क्रांति, सूचना क्रांति, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा इन बेकार की बातों पर ध्यान देने की जगह धर्म क्रांति की होती, योगीजी के मुताबिक राम मंदिर को राजनैतिक आयोजन बनाया होता, तो आज देश का माहौल कुछ और ही होता। प्रधानमंत्री मोदी अपने संन्यासी जीवन में ही प्रसन्न रहते। उन्हें तो प्रधानसेवक इसलिए बनना पड़ा क्योंकि देश का अमृतकाल नजदीक आते जा रहा था और कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता की अफीम सूंघ कर बेहोश पड़ी हुई थी। पंचशील और गुटनिरपेक्षता के चलते अखंड भारत जैसे सपने हाशिए पर चले गए थे। इससे पहले कि देश पूरी तरह उदार, धर्मनिरपेक्ष, गांधीजी के सपनों वाले रामराज्य में तब्दील हो पाता, मोदीजी ने कमान संभाल ली। अब देश में सनातन सुरक्षित है, क्योंकि जागा हुआ हिंदू उसकी जमकर पहरेदारी कर रहा है। इस कदर कि इसमें उसका वर्तमान, भविष्य दांव पर लग जाए, उसे कोई परवाह नहीं है। ये हिंदू के जागने का ही असर है कि अब मोदीजी को सबका साथ, सबका विकास के वादे को पूरा करने में आसानी हो रही है। प्रधानमंत्री पद संभालने पर उन्होंने कहा था कि देश में ऐसा विकास कर देंगे कि हवाई चप्पल पहनने वाले भी हवाईयात्रा कर सकेंगे। उन्होंने ये कभी नहीं कहा था कि हवाई चप्पल पहनने वालों को अच्छे जूते पहनने लायक बना देंगे। यानी लोग जिस हाल में हैं, उसी हाल में या उससे बुरे हाल में कर देंगे, बस उन्हें हवा में उड़ने का सुख नसीब हो सकेगा। हालांकि कांग्रेस के शासनकाल में ही निजी विमानसेवाओं के आने के बाद हवाई यात्रा करने वालों का दायरा बढ़ गया, लेकिन विमानतल तो तब भी उच्चश्रेणी का ही अहसास कराते थे। बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट्स में वर्ग विभाजन तो था ही।

लिहाजा मोदीजी ने इस विभाजन को मिटाने का बीड़ा उठाया। अब जिस तरह रेलवे स्टेशनों पर 12–15 घंटे ट्रेनों का इंतजार होता है और यात्रीगण प्लेटफार्म पर बैठकर खाते–पीते समय बिताते हैं, कुछ वैसा ही हाल अब हवाईअड्डों का हो गया है। विमान के किनारे बैठकर भोजन करना, वर्ग विभाजन मिटाने का अनुपम उदाहरण है। अब विमान में उड़ने वाले रेल से सफर करने वालों पर रौब नहीं गांठ पाएंगे। यही है सबका साथ, सबका विकास। हवाई चप्पल वालों को जूता न मिल सका, तो जूते वालों को हवाई चप्पल पहना दो, बात तो एक ही है। ऐसा गणित मोदीजी ही समझा सकते थे। कांग्रेस न जाने क्यों अब भी इस गणित को समझ ही नहीं रही है। राहुल गांधी फिर से भारत जोड़ो यात्रा पर निकल पड़े हैं, इस बार न्याय की मशाल उनके हाथ में है। लेकिन इस देश के लोगों को तो अपने नेता के हाथ में धर्म का दीया देखना अच्छा लगने लगा है। मोदीजी इसे अच्छे से समझते हैं। मोर को दाना वो चुगा चुके हैं, अब गाय को चारा खिला दिया। इसके बाद देश के प्रधानमंत्री मंदिरों की परिक्रमा करते दिखाई दे रहे हैं। उनके मंत्रीगण भी अलग–अलग मंदिरों में झाड़ू लगाते, पोंछा लगाते, पूजा करते दिख रहे हैं। 22 जनवरी को उत्तरप्रदेश के शैक्षणिक संस्थान बंद करने का आदेश आ ही चुका है, हो सकता है पूरे देश में इसका पालन हो। सरकार राह दिखा रही है कि पढ़ने–लिखने, काम–धाम में कुछ नहीं रखा है। भगवान की भक्ति में समय बिताओ और खुद को रामभरोसे छोड़ दो, सब वही ठीक करेंगे। जनता जब इस बात को समझ जाएगी तो फिर सरकार से अपनी भूख, बीमारी और गरीबी पर सवाल नहीं करेगी। फिर ये सवाल भी नहीं उठेंगे कि मोदीजी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में प्रतीकात्मक जजमान बनने की भी क्या जरूरत है। अगर वे बाकी लोगों की तरह इस आयोजन के केवल दर्शक बन जाते, तो क्या उनकी भक्ति में कोई कमी हो जाती। सवाल इस बात पर भी नहीं होगा कि महानायक का दर्जा प्राप्त कर चुके अमिताभ बच्चन ने आखिर किस प्रयोजन से 14 करोड़ की जमीन अयोध्या में खरीदी है। और जब महाराष्ट्र में अपने पूर्वजों के किसान होने के नाम पर कृषि भूमि खरीदी थी, तब उनका प्रयोजन क्या था। देश में जय श्री राम के नारों का शोर भरकर मोदीजी तो लगातार यही कोशिश कर रहे हैं कि सवाल पूछने की परंपरा ही खत्म हो जाए। शंकराचार्यों को भी भाजपा यही समझा रही है कि सवाल–जवाब करने का कोई लाभ नहीं है। अब तो देश 22 जनवरी को मोदीजी के कहे अनुसार दीपावली मनाने की तैयारी कर रहा है। रावण वध करके राम के अयोध्या लौटने पर दीपावली मनाने की कहानी अब पुरानी हो चुकी है। मोदीजी ने राम लला की पुनर्प्राणप्रतिष्ठा पर दीपावली मनाने कहा है, तो इस पर भी अब कोई सवाल नहीं होगा। लेकिन फिर भी एक सवाल करने की गुस्ताखी हो ही सकती है कि जैसे राम लला की प्राण प्रतिष्ठा फिर से संभव हो पाई, क्या वैसे कोविड में गुजरे लोगों के प्राण लौटाने का चमत्कार भी मोदी कर सकते हैं, क्या हिंदुस्तान की गंगा–जमुनी तहजीब की पुर्नप्राणप्रतिष्ठा को मोदीजी मुमकिन बना सकते हैं।

सहयोगियों के साथ सीट साझा करने में कांग्रेस अधिक उदार

कल्याणी शंकर

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा संयोजक का पद ठुकरा दिये जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को विपक्षी इंडिया गठबंधन द्वारा उसका अध्यक्ष बनाये जाने के फैसले से कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। चुनाव से पहले साझेदारी बनाना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन असली चुनौती सीटों पर सहमति बनाने में है। यह सवाल बना हुआ है कि इंडिया ब्लॉक के लिए सीट–बंटवारा कितना मुश्किल है, और क्या विपक्ष चुनाव से पहले बाधाओं को दूर कर सकता है? कांग्रेस पार्टी गठबंधन के सभी घटक दलों को संतुष्ट करने वाला समाधान खोजने के लिए प्रयासरत है जो 28 दलों के गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। गठबंधन ने भाजपा–विरोधी विपक्षी वोटों को विभाजित होने से रोकने के लिए भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए एक ही उम्मीदवार को नामांकित करने का फैसला किया है। हालांकि, कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन खुद को एक मुश्किल स्थिति में पाता है क्योंकि अधिकांश क्षेत्रीय दल अधिक सीटों के लिए कड़ी सौदेबाजी कर रहे हैं, जो केवल कांग्रेस पार्टी के हितों की कीमत पर ही हो सकता है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी को इस दुविधा को दूर करने के लिए अन्य सहयोगियों के साथ बातचीत शुरू करने का निर्देश दिया है। यह इंगित करता है कि कांग्रेस इस बार सहयोगियों को समायोजित करने के लिए कम सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव से पहले कई राज्यों में अन्य राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन किया था। यह तमिलनाडु में डीएमके के साथ जुड़ गया, जबकि बिहार में राजद और जद (यू), और झारखंड में झामुमो के साथ। हालांकि ये गठबंधन पहले से ही जारी हैं, कांग्रेस जानती है कि कुछ राज्यों, विशेषकर दिल्ली, पंजाब, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में सीट–बंटवारा चुनौतीपूर्ण होगा। कांग्रेस पार्टी फिलहाल अपनी पार्टी और सहयोगियों की जरूरतों को पूरा करने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। उसके सामने अपने क्षेत्रीय साझेदारों के साथ सकारात्मक रिश्ते बनाये रखने की चुनौती है। पार्टी इस बात को लेकर सतर्क है कि बातचीत से साझेदारों के बीच कोई मनमुटाव न हो।

कांग्रेस की स्थानीय इकाइयों में साझेदारों को सीटें देने को लेकर शीर्ष नेतृत्व के बीच मतभेद हैं। वास्तविकता को देखते हुए, खड़गे ने पार्टी की गठबंधन समिति को सहयोगियों को समायोजित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने का निर्देश दिया है। उन्होंने इंडिया गुट के साथ समन्वय के लिए विपक्षी नेताओं से भी संपर्क किया है। कांग्रेस लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ लड़ेगी। तेरह राज्यों में भाजपा के साथ वह सीधे लड़ेगी जबकि उसका मुकाबला आंध्र प्रदेश, केरल, ओडिशा और तेलंगाना में गैर–भाजपा दलों से है। कांग्रेस को यह तय करना है कि वह बंगाल और त्रिपुरा में सीपीआई (एम) के साथ गठबंधन करेगी या नहीं। अतीत में, कांग्रेस का दिल्ली और पंजाब में महत्वपूर्ण राजनीतिक दबदबा था। हालांकि, आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस के प्रभुत्व के खिलाफ एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है, क्योंकि अब वह दोनों राज्यों में सत्ता पर काबिज है। जहां कांग्रेस का लक्ष्य दिल्ली में चार और पंजाब में सात सीटें हैं, वहीं सत्तारूढ़ आप पार्टी सीटों में बड़ी हिस्सेदारी चाहती है। इसके अतिरिक्त आप की गोवा, हरियाणा और गुजरात जैसे अन्य राज्यों में भी चुनाव लड़ने की योजना है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बिहार में राजद और जद (यू), जम्मू–कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपीय और तमिलनाडु में डी.एम.के. का पलड़ा भारी रहने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने राज्य की कमान संभालेंगी। 2019 के चुनावों के दौरान, कांग्रेस 421सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन केवल 52 पर जीत हासिल कर सकी। उसने कुछ राज्यों में गठबंधन बनाया और कम सीटों पर चुनाव लड़ा, जैसे बिहार में नौ, झारखंड में सात, कर्नाटक में 21, महाराष्ट्र में 25 और तमिलनाडु में नौ। हालांकि, उसने उत्तर प्रदेश की 80 में से 70 सीटों पर चुनाव लड़ा। कांग्रेस के अपने दम पर भाजपा को हराने की संभावना कम है। वह सरकार बनाने के लिए आवश्यक 272सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव नहीं लड़ेगी, बल्कि 255सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, जो अब तक की सबसे कम संख्या है। इसकी सबसे अच्छी स्थिति 125 सीटें जीतना है। एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में कांग्रेस को भाजपा को सीधी चुनौती देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। 190 से अधिक सीटों पर मजबूत नेताओं को निर्वाचन क्षेत्रों से मैदान में उतारा जाना है। पार्टी को जमीनी स्तर पर बूथ कमेटियों को मजबूत करने की भी जरूरत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में निकली भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर भी विवाद खड़ा हो गया है। जद (यू) के नेता के सी त्यागी ने सवाल किया कि कांग्रेस ने इसे विपक्षी गुट के सहयोगियों के साथ संयुक्त यात्रा क्यों नहीं बनाया। हालांकि कांग्रेस ने अपने सहयोगियों को आमंत्रित किया, लेकिन वे कैसे प्रतिक्रिया देंगे यह अभी भी अनिश्चित है। सफल यात्रा का श्रेय राहुल गांधी को जायेगा। राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर विपक्ष मुश्किल में है। विपक्षी गठबंधन ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने का फैसला किया है। इसमें भाग लेना केवल उनके कथन का समर्थन करेगा क्योंकि यह भाजपा के लिए एक राजनीतिक तमाशा है। जबकि कांग्रेस इस मुद्दे पर आंतरिक रूप से विभाजित थी, उसने निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। सीपीआई (एम) और सीपीआई नेताओं ने विनम्रतापूर्वक निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। हालांकि चुनावी सर्वेक्षणों में भविष्यवाणी की गई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी चुनाव जीतेंगे, लेकिन अगर विपक्ष एकजुट रहता है तो उनके जीतने की अभी भी कम संभावना है। यदि विपक्षी दल अधिकतम संभव सीट बंटवारे के समझौते के आधार पर लड़ते हैं तो वे 2004 के लोकसभा परिणाम दोहरा सकते हैं।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को समर्पित होगा भारत हस्तशिल्प महोत्सव 2024

घर-घर पधारो भगवान राम के थीम पर आधारित होगे सांस्कृतिक कार्यक्रमः अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह

बहुत कुछ नया होगा इस बार भारत हस्तशिल्प महोत्सव 2024 में उपाध्यक्ष एन.बी. सिंह

उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय द्वारा ओ डी ओ पी विपणन योजना अन्तर्गत

भारत हस्तशिल्प महोत्सब राज्य स्तरीय श्रेणी में शामिल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के तत्वावधान में 20 जनवरी 2024 से 05 फरवरी 2024 तक 17 दिवसीय श्भारत हस्तशिल्प महोत्सव–2024श का आयोजन कांशीराम स्मृति उपवन, आशियाना लखनऊ में किया जा रहा है। 19 जनवरी को श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ आरंभ होगा और अगले दिन 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे समापन होगा। इस विशेष अवसर पर श्री जगन्नाथ पुरी धाम के मुख्य पुजारी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। आरती, हवन, प्रसाद वितरण के उपरांत भारत हस्तशिल्प महोत्सव आरंभ होगा।

विनोद कुमार सिंह ने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव में इस बार घर घर पधारो राम की थीम पर समर्पित होगा। भारत हस्तशिल्प महोत्सव ।प्रथम दिन 20 जनवरी से ही पूरे महोत्सब को अयोध्या धाम की तर्ज पर राम–मय बनाया जाएगा। महोत्सव के माध्यम से देशवासियो को यह संदेश दिया जाएगा कि 22 जनवरी को अपने अपने घरों में राम मन्दिर को सजाए और पूजा अर्चना करें।

28 राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, पंजाब, ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड, जम्मू–कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, हरियाणा, गोवा, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, तमिलनाडु एवं 8 केन्द्र शासित प्रदेशों अण्डमान निकोबार, दादर नगर हवेली, दमन और दीव, लक्ष्यद्वीप, चंडीगढ़, दिल्ली और पांडिचेरी की कला संस्कृति, पर्यटन, हस्त शिल्प, देशी उत्पाद, वस्त्र, फर्नीचर, मसाले, हैण्डलूम हैण्डी क्राफ्ट, आटोमोबाइल, बैंकिंग, के स्टाल आकर्षण का केन्द्र होंगे।

उन्होने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव में केंद्र सरकार के वस्त्र मंत्रालय हैण्डीक्राफ्ट, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उ.प्र. और नाबार्ड की सहभागिता के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के हस्तशिल्प विपणन प्रोत्साहन योजना भी फलीभूत होगी।श्री सिंह ने बताया कि संस्था के फेसबुक पर देश विदेश के लोगों को भारत हस्तशिल्प महोत्सव में जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा महोत्सव में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए भारत महोत्सव के फेसबुक लिंक का प्रयोग मजीव प्रसारण के लिए किया जायेगा।

विनोद कुमार सिंह ने बताया कि 20 जनवरी 2024 से 5 फरवरी 2024 तक होने वाले 17 दिवसीय भारत हस्तशिल्प महोत्सव में निःशुल्क भारत टैलेण्ट हण्ट–2024 का आयोजन किया जायेगा, इसके तहत बच्चों व युवाओं की गायन, नृत्य, वादन, किड्स मॉडलिंग, मेंहदी, रंगोली, कवाड़ से जुगाड़, सिलाई, चित्रकला, निबंध लेखन, साइकिल रेस, खो–खो, कबड्डी, मिस्टर मिस और मिसेज भारत प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

प्रेसवार्ता में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एन. बी. सिंह ने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव– 2024 में भारत के 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली

अनेक विभूतियों को भारत हस्तशिल्प महोत्सव रव सम्मान से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें सभी वर्गों को

शामिल किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव–2024 की सांस्कृतिक संध्या में रोजाना भारत के विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम जैसे उत्तर प्रदेश का ख्याल नृत्य, रास नृत्य, झूला नृत्य, मयूर नृत्य, धोबिया नृत्य, चरकुला नृत्य, कठफोड़वा नृत्य, जोगिनी नृत्य, आल्हा ऊदल गायन, राजस्थान का घूमर नृत्य, कालबेलिया

नृत्य, तेराताली नृत्य, गेर नृत्य, पंजाब का गिद्दा–भांगड़ा, हरियाणा का झूमर नृत्य, बिहार का जाट जाटिन

नृत्य, झारखंड का फगुआ नृत्य, करमा नृत्य, महारास्ट्र का लावणी नृत्य, दसावतार और हिंडी नृत्य, गुजरात का गरबा नृत्य के साथ अन्य राज्यों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा कवि सम्मेलन, मुशायरा, जादू, कठपुतली, बिरहा और आल्हा के कार्यक्रम होंगें।

एन वी सिंह ने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव में बच्चों और युवाओं के लिए इस बार विशेष तरह के झूलों के साथ सर्कस की भी व्यवस्था की गई है। लोगों की सुरक्षा के लिए पूरे महोत्सव परिसर और परिसर के बाहर हर स्थान पर सुरक्षा की दृष्टि से सी सी टीवी कैमरे लगाये जायेगे। महोत्सव के सभी प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर और सुरक्षा गार्डों द्वारा सघन जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश की अनुमति होगी। इसके अलावा महोत्सब स्थल पर अस्थाई पुलिस चौकी भी प्रशासन के सहयोग से होगी।

गर्भगृह में विराजित हुई रामलला की नई प्रतिमा

प्राण प्रतिष्ठा के बाद ही मिल सकेंगे दर्शन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या भव्य राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की नई प्रतिमा विराजित हो गई है। हालांकि इसे अभी देखा नहीं सकेगा। 22 जनवरी को प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के बाद ही उस दिव्य और विराट मूर्ति के दर्शन हो सकेंगे। बुधवार को देर शाम वह प्रतिमा मंदिर परिसर लाई गई थी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का विधिवत कर्मकांड गुरुवार को गणेश पूजन के साथ शुरू हो गया है। शुभ मुहूर्त में दोपहर 1:20 बजे गणेश पूजन के साथ प्राण प्रतिष्ठा के पूजन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं बुधवार को रामजन्मभूमि परिसर पहुंचे रामलला को अपने आसन पर विराजमान कर दिया गया है। गर्भगृह में कमल की आकृति वाले संगमरमर के सिंहासन पर रामलला की अचल मूर्ति को वैदिक आचार्यों ने विधिविधान पूर्वक विराजित कर दिया है। पूजन के क्रम में सबसे पहले गणेश अंबिका पूजन फिर वरुणपूजन, चतुर्वेदोक्त पुण्याहवाचन, मातृकापूजन, वसोर्धारापूजन (सप्त घृत मातृका पूजन) हुआ। इसके बाद आयुष्य मंत्रजप, नांदीश्राद्ध, आचार्यादिचत्र्ऋत्विग्वरण, मधुपर्कपूजन हुआ। इसके बाद पूजन के लिए बनाए गए मंडपों की पूजा की गई। इसके लिए मंडपप्रवेश, पृथ्वी– कूर्म– अनंत–वराह–यज्ञभूमि–पूजन, दिग्ग्रक्षण, पञ्चगव्य – प्रोक्षण, मंडपाङ्ग की विधि पूरी की गई। इसके साथ ही वास्तुपूजन, वास्तु बलिदान, मंडप सूत्रवेष्टन, दुग्ध– धारा, जलधाराकरण की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इसके बाद षोडशस्तंभ पूजन व मंडपपूजा के क्रम में मंदिर के तोरण, द्वार, ध्वज, आयुध, पताका, दिक्पाल, द्वारपाल की पूजा की गई। इसके बाद रामलला की अचल मूर्ति का जलाधि वास,गंधाधिवास कराया गया है। शाम को पहली बार अचल मूर्ति की आरती भी वैदिक आचार्यों ने उतारी है। मुख्य यजमान डॉ० अनिल मिश्र ने पहले दिन की पूजन प्रक्रिया संपन्न कराई। पूजन के दौरान श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अन्य लोग भी मौजूद रहे।

अयोध्या में यूपी एटीएस ने दो आतंकवादियों को पकड़ा राम मंदिर के आसपास हाई अलर्ट

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार।अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर तैयारियां जोर–शोर से जारी है 22 जनवरी की तारीख को मंदिर के गर्भगृह में रामलाल की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी इस बीच अयोध्या में 22 जनवरी को रामलीला की प्रमाण प्रतिष्ठा से ठीक पहले बड़ी खबर सामने आ रही है उत्तर प्रदेश एटीएस ने अब से थोड़ी देर पहले अयोध्या से दो संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है यूपी एटीएस पकड़े गए दोनों लोगों से पूछताछ कर रही है मिली जानकारी के मुताबिक यूपी एटीएस को दो संदिग्ध लोगों के बारे में जानकारी मिली थी हालांकि अभी तक यूपी एटीएस ने पूरी जानकारी मुहैया नहीं कराई है

'हाई अलर्ट घोषित'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे इसके मद्दे नजर अयोध्या समेत आसपास के जिलों में हाई अलर्ट घोषित किया गया है पुलिस की ओर से इंपोर्ट किया गया था की अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा से पहले कोई आतंकी घटना हो सकती है उत्तर प्रदेश पुलिस को इनपुट मिला था कि अयोध्या पर आतंकी हमला हो सकता है एंटी टेरेरिस्ट स्क्वाड ने अलीगढ़ से एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया था इसके बाद गुरुवार को अयोध्या से दो लोगों को पकड़ा गया है

जिले की सीमाओं पर नाकेबंदी

दूसरी तरफ अयोध्या में सुरक्षा इंतजाम के मध्य नजर भारी पुलिस और तैनात किया गया है अयोध्या शहर और जिले की सीमाओं पर नाकेबंदी है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या का दौरा किया है इस दौरान उन्होंने पुलिस अफसर को आदेश दिया है कि अयोध्या में बाहर से आए लोगों की गहन जांच की जाए किसी भी तरह के खतरे से निपटने की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए।

बताया जा रहा है कि इन दोनों संदिग्धों का कनाडा में मारे गए सुक्खा दुनके और अर्श डल्ला गैंग से कनेक्शन बताया जा रहा है।

यूपी एटीएस के अधिकारी के मुताबिक दोनों संदिग्ध राजस्थान के सीकर जिले के है और यूपी एटीएस राजस्थान पुलिस से संपर्क में है। आपको बता दें कि दें कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अयोध्या की सुरक्षा बेहद ही कड़ी कर दी गई है। ।जै के जवान भी चप्पे–चप्पे पर तैनात हैं। सभी जवानों के पास आधुनिक हथियार भी हैं, जिससे किसी भी संदिग्ध को पलभर में ही ढेर किया जा सके। इसके साथ ही पूरे शहर में सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए हैं, जिससे पुलिस और सुरक्षाबलों की नजर से कोई बच ना सके।

राम मंदिर उत्सव : मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का एलान, 22 जनवरी को घरों में चरागां कर मनेगा जश्न, दरगाहों पर चढ़ेगी चादर

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता देशभर में अपने घरों में चरागां कर जश्न मनाएंगे। इस दौरान घरों को मोमबत्ती और दीयों से रोशन किया जाएगा। मंच ने मुस्लिम समुदाय से अपने–अपने घरों में दीये रोशन करने की अपील की है।मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक सैयद रजा हुसैन रिजवी ने बताया कि श्रीराम देश के राष्ट्र नायक हैं। उनकी जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि अल्लाह के रसूल सल. की हदीस है जिस मुल्क में रहो उस मुल्क के कानून पर अमल करो। उन्होंने कहा कि मुसलमान मुल्क का बेहतरीन हिस्सा हैं और अमन व शांति से निवास करते आ रहे हैं।

'प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सज–धजकर तैयार हुई रामनगरी' अयोध्या डीकेयू लाइव ब्यूरो सुरेंद्र कुमार।अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि पर बने भव्य राम मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा समारोह से पहले पूरी अयोध्या नगरी सज–धजकर तैयार हो चुकी है और यहां भगवान राम तथा उनके धनुष और बाणों को चित्रित करने वाली कलाकृतियों से सुसज्जित फ्लाईओवर पर लगी स्ट्रीटलाइट और पारंपरिक 'रामानंदी तिलक' विषय पर आधारित डिजाइन वाले सजावटी लैंपपोस्ट चहुंओर छटा बिखेर रहे हैं। राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण–प्रतिष्ठा समोराह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहेंगी। इस महासमारोह में महज चार दिन शेष हैं और अयोध्या की ओर जाने वाली सभी सड़कें धार्मिक भावनाओं में रंग गयी हैं। लखनऊ से अयोध्या जाने वाले राजमार्ग पर जब आप यात्रा करेंगे, तो जगह–जगह राम मंदिर के विशाल पोस्टर लगे हुए पाएंगे। इन पोस्टर पर प्राण–प्रतिष्ठा समारोह की तिथि के साथ–साथ 'शुभ घड़ी आई, विराजे रघुराई' जैसे नारे छपे हुए हैं और इस तरह के पोस्टर से अयोध्या की सड़कें भी अटी पड़ी हैं।

राजमार्ग पर पड़ने वाले ज्यादातर होटल और ढाबों पर अयोध्या आने वाले भक्तों का स्वागत करते हुए बैनर लगे हुए दिखाई दिए, जिनपर भगवान राम की तस्वीर मौजूद थी। इनके अलावा भगवान राम की तस्वीर वाले भगवा झंडों के साथ नये मंदिर की तस्वीरें भी लगी हुई हैं। अयोध्या में प्रवेश करने पर आपको अपने आस–पास की फिजा में आध्यात्मिक अनुभूति का अहसास होता है। अयोध्या में भगवान राम तथा उनके धनुष एवं बाणों को चित्रित करने वाली कलाकृतियों से सुसज्जित फ्लाईओवर पर लगी स्ट्रीटलाइट और पारंपरिक 'रामानंदी तिलक' विषय पर आधारित डिजाइन वाले सजावटी लैंपपोस्ट चहुंओर छटा बिखेर रहे हैं। 'रामानंदी तिलक' माथे पर दो खड़ी सफेद रेखाओं के बीच केंद्र में एक लाल पट्टी बनाकर तैयार किया जाता है और भगवान राम के भक्त आमतौर पर इस प्रकार का तिलक लगाना पसंद करते हैं। कई स्थानीय निवासियों और अन्य स्थानों से अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के माथे पर यह तिलक लगा हुआ देखा जा सकता है। अयोध्या शहर में राम पथ और धर्म पथ दो मुख्य रास्ते हैं, जो इस वक्त आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, विशेष तौर पर यहां की साजो–सज्जा मनमोहक है। राम पथ, फैजाबाद शहर के सहादतगंज से अयोध्या शहर के नया घाट चौराहे तक 13 किलोमीटर की दूरी वाला मार्ग है। ''राम पथ और धर्म पथ दो ऐसे मार्ग हैं, जिन्हें आप कला के बेहतरीन नमूने के तौर पर देख सकते हैं। इन्हें प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अच्छी तरह से सजाया गया है। इन दोनों सड़कों के किनारे स्थापित सजावटी लैंप पोस्ट के डिजाइन लोगों की आस्था का सम्मान करते हुए अयोध्या के विकास को दर्शाते हैं।'' राम पथ और धर्म पथ, ये दोनों मार्ग लता मंगेशकर चौक पर आकर मिलते हैं, जो दिवंगत सुर साम्राज्ञी के नाम पर एक प्रतिष्ठित चौराहा है। यह चौराहा विशाल बैनर और डिजिटल डिस्प्ले से लैस है, जिसपर 'प्राण–प्रतिष्ठा' समारोह से जुड़ी जानकारियां और तस्वीरें यहां आने वाले भक्तों का स्वागत करती हैं। इतनी ही नहीं कुछ पोस्टर पर 'राम आएंगे' जैसी पंक्तियां भी लिखी हुई हैं। धर्म पथ के दोनों छोरों पर 'सूर्य स्तंभ' स्थापित किए गए हैं, जो इस मार्ग की भव्यता को बढ़ा रहे हैं, जबकि मार्ग के शुरू और समाप्ति पर 'रामानंदी तिलक' और अन्य प्रतीक वाले डिजाइन वाले सजावटी लैंप पोस्ट इस मार्ग की शोभा बढ़ा रहे हैं, यही वजह है कि यहां आने पर आध्यात्मिक अनुभूति का अहसास होता है।

शाम तक, सड़क के दोनों किनारों और धर्म पथ के बीचोबीच (डिवाइडर) स्थित ये अनुकूलित लैंप पोस्ट और सूर्य–थीम वाले स्तंभ, चालू होने पर, एक चमकदार तस्वीर पेश करते हैं। शाम होते–होते सड़क के दोनों किनारों और धर्म पथ के मध्य किनारे पर लगे ये लैंप पोस्ट और सूर्य–थीम वाले खंभे जब रोशनी से जगमगाते हैं तो किसी का भी मनमोह लेते हैं। इस मुख्य सड़क के किनारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीरें और उनके 'विकास और विरासत' के संदेश वाले कई पोस्टर भी लगे हुए हैं। राम पथ के किनारे बने बस स्टैंड को भी रामायण पर आधारित कलाकृतियों से सजाया गया है। ये कलाकृतियां राहगीरों का ध्यान आकृष्ट कर रही हैं। समझ से जुड़ी जानकारियां और तस्वीरें अयोध्या में आने वाले राम भक्तों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत कर रही हैं।

अयोध्या धाम में वॉल पेंटिंग से लेकर रेत शिल्प पर उकेरे जा रहे भगवान राम

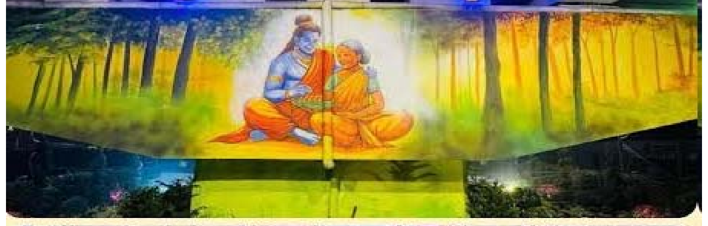

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या धाम में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की भव्यता और दिव्यता बढ़ाने के लिए विभिन्न स्थानों पर कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन कर रही है। इसकी जिम्मेदारी संस्कृति विभाग को सौंपी गई है। संस्कृति विभाग के अंतर्गत आने वाले ललित कला अकादमी की ओर से कार्यक्रमों की पूरी रूपरेखा तैयार की गई है। इसके तहत अयोध्या धाम की प्रमुख दीवारों पर वॉल पेंटिंग कार्यशाला, सरयू नदी के तट पर भगवान राम पर आधारित रेत शिल्प के अलावा राम बाल लीला, कलाकृतियों की प्रदर्शनी, मेंहदी एवं फूलों की वाटिका और फोटोग्राफी जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 18 जनवरी से ये कार्यक्रम पूरी गति से शुरू हो चुके हैं और प्राण प्रतिष्ठा तक और इसके बाद भी यह अनवरत जारी रहने वाले हैं।

'एयरपोर्ट, कलेक्ट्रेट और राम की पैड़ी मार्ग पर की जा रही वॉल पेंटिंग'

राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश की निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने बताया कि अयोध्या धाम के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास सीआरपीएफ की दीवार पर लगभग तीन हजार वर्गफीट, अयोध्या कलेक्ट्रेट भवन की दीवार पर लगभग 1500 वर्गफीट एवं राम की पैड़ी मार्ग पर स्थित सिंचाई विभाग के भवन की दीवार पर लगभग 1200 वर्गफीट के क्षेत्र में प्रदेश के विभिन्न जनपदों के लगभग 40 कलाकारों द्वारा वॉल पेंटिंग की जा रही है। इसके अलावा महर्षि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर महर्षि वाल्मीकि की ब्रांज की प्रतिमा, सूर्यकुंड पर भगवान सूर्य एवं गणेश कुंड पर भगवान गणेश की ओडिशा सैंड स्टोन की प्रतिमा की स्थापना की जा रही है। वहीं 18 जनवरी से भगवान राम एवं रामचरित पर आधारित भगवान राम की बाललीला, भगवान राम की गुरुकुल लीला, हनुमान लीला, ताड़का वध, सीता स्वयंवर, राम–जटायु मिलन, हनुमान सीता मिलन जैसे विभिन्न परिदृश्यों पर चित्रकला के साथ मूर्तिकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है, जो 26 जनवरी तक चलेगी। इसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 50 कलाकारों द्वारा 40 चित्रों एवं 10 मूर्तियों का सृजन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश के 10 जनपदों गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, बरेली और लखनऊ में भगवान श्रीराम और उनके जीवन चरित्र पर आधारित होम स्टूडियो कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यशाला 1 फरवरी से 29 फरवरी के बीच होगी। कार्यशाला में चयनित कलाकृतियों की प्रदर्शनी का आयोजन अयोध्या धाम में किया जाएगा।

'रेतशिल्प की कलाकृति से बनाएंगे विश्व कीर्तिमान'

राज्य ललित कला अकादमी, संस्कृति विभाग की ओर से महिलाओं और बालिकाओं के लिए मेंहदी एवं फूलों की वाटिका कार्यशाला का आयोजन एशिया डेलफिक काउसिंल के सहयोग से किया जाएगा, जिसमें एक हजार कलाकार प्रतिभाग करेंगे। इसके अलावा रामोत्सव के कार्यक्रम के मद्ध्देनजर प्रदेश एवं देश के फोटोग्राफी कलाकारों के लिए स्वतंत्र फोटोग्राफी प्रतियोगिता का तीन दिवसीय आयोजन किया जाएगा। इसकी शुरुआत 20 जनवरी को होगी और समापन 23 जनवरी को होगा। प्रतियोगिता में चयनित कृतियों की प्रदर्शनी अकादमी की ओर से रामकथा पार्क लगाई जाएगी। वहीं विजेता कलाकारों को पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा। इतना ही नहीं नयाघाट स्थित सरयू नदी के तट पर ओडिशा के अंतरराष्ट्रीय रेतशिल्प कलाकार पद्मश्री डॉ. सुदर्शन पटनायक अपने सात सहयोगी कलाकारों के साथ भगवान श्रीराम एवं रामचरित आधारित रेतशिल्प कला शिविर का आयोजन करेंगे, जिसे विश्व रिकार्ड में दर्ज कराया जाएगा।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अलर्ट मोड में पुलिस प्रशासन

जिले की सीमाओं पर हो रही चेकिंग, भारी वाहनों के प्रवेश पर लगी रोक

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को आयोजित भगवान श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देशभर में व्यापक तैयारियां चल रही है। पूरे देश में उत्साह और उल्लास दिखाई दे रहा है। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र में भी लोगों में इसको लेकर खासा उत्साह है। लोग प्राण प्रतिष्ठा को दीपावली के रूप में मनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। 22 जनवरी को गांव से लेकर मठ मंदिरों तक पूजा पाठ, धार्मिक अनुष्ठान एवं जागरण के कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस बीच किसी प्रकार कोई अप्रिय घटना न घटे, इसको लेकर पुलिस हाई अलर्ट मोड़ पर है तथा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस टीम द्वारा अयोध्या जनपद की सभी सीमाओं पर चेकिंग अभियान तेज कर दी है। जिले की सीमा पड़ोसी जनपद की सीमा अमेठी, सुल्तानपुर की सीमा से लगी हुई है। जिसको देखते हुए पुलिस प्रशासन मिल्कीपुर तहसील के पिठला कुमारगंज, चिलबिली, लिलहा रसूलपुर, सरिथन घाट से आने वाले वाहनों की सघन चेकिंग कर रही है। सीमाओं पर पुलिस फोर्स के जवान मौजूद है। भारी वाहनों का जिले में प्रवेश वर्जित कर दिया गया है। इसके साथ ही संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस टीम द्वारा कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों द्वारा एस 7 व एस 10 के सदस्यों से भी क्षेत्र के बारे में जानकारियां ली जा रही है। उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर एवं क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर द्वारा कार्यक्रम आयोजकों से बात की जा रही है तथा उन्हें निर्देश भी दिए जा रहे हैं कि सभी कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न करें। किसी तरह की समस्या उत्पन्न नहीं होना चाहिए कार्यक्रम के दौरान कोई ऐसा कार्य नहीं होना चाहिए, जिससे किसी दूसरे समुदाय के लोगों को ठेस पहुंचे और राम जनमानस की रक्षा की जा सके।

गन्ना मूल्य बढ़ोतरी, भाजपा ने कहा ऐतिहासिक, विपक्ष बोला नाकाफी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने गन्ना मूल्य में 20 रुपये प्रति कुंटल बढ़ोतरी की है। गन्ना मूल्य की गई बढ़ोतरी को लेकर सत्तारूढ़ बीजेपी को छोड़कर ज्यादातर सियासी लोगों ने इसे नाकाफी बताया है।कहते हैं, बाद बहुत इंतजार गन्ना मूल्य बढ़ाया ,वो भी ऊंट के मुंह में जीरा के समान है।वही भाजपा के लोगों ने बड़ा ऐतिहासिक कदम बताया है। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, जद यू, राजद ,रालोद समेत कई पार्टियों के लोगों और किसान नेताओं ने गन्ना मूल्य में इजाफे को नाकाफी कहा है।राष्ट्रीय लोकदल व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा सरकार ने 2017 से अभी तक सात सालों में मात्र25 रूपये की गन्ना मूल्य में वृद्धि की जबकि वादा किया था लागत का दोगुना देने का।राष्ट्रीय लोकदल निरन्तर संघर्ष कर रहा था कि गन्ना किसानों को रेट 400 रूपये दिया जाये, परन्तु एक बार पुनः छोटा मन दिखाते हुए कुल 20 रुपए प्रति कुंटल की वृद्धि की है ,जो ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। अग्रवाल ने कहा, जब बात किसानों की आती है तो न जाने क्यों सरकार के खजाने में अकाल पड़ जाता है। बीजेपी के मनजीत सिंह ने कहा,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को गन्ने का रेट 20 रूपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर बड़ा तोहफा दिया गया है। पूर्व की सरकारों के मुकाबले योगी सरकार द्वारा बड़ी वृद्धि और उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को समय से गन्ने का भुगतान मिल रहा है, पिछली समाजवादी पार्टी सरकार द्वारा कई हजार करोड़ रुपये गन्ने का गन्ना किसानों का सरकार पर बकाया था, वह भी उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने हजारों करोड़ का भुगतान गन्ना किसानों को किया गया था।

अध्यक्ष निर्मल सिंह को "प्राण प्रतिष्ठा"कार्यक्रम में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। २२ जनवरी अयोध्या में आयोजित "प्राण–प्रतिष्ठा" कार्यक्रम में श्री गुरू सिंह सभा गुरुद्वारा आलमबाग के अध्यक्ष निर्मल सिंह को आमंत्रित करते हुये प्रशान्त भाटिया, सचिन गुप्ता व अग्रवाल जी।

अध्यक्ष निर्मल सिंह ने कहा कि ५०० साल से ज़्यादा के संघर्ष व इन्तजार के बाद आज इस शुभ अवसर पर "प्राण–प्रतिष्ठा" के कार्यक्रम में प्रत्यक्षदर्शी बनने व सहभागिता करना ,अपने आप में सौभाग्यशाली होना है।सभी को इस भव्य आयोजन की शुभकामनाएँ देते हुये राम मन्दिर न्यास व सभी सहयोगियों का धन्यवाद करता हूँ।

मीडिया प्रभारी हरजीत सिंह ने कहा कि श्री प्रशान्त भाटिया जी ने अपने सहयोगियों के साथ आज गुरुद्वारा आलमबाग में संगत के दर्शन करने के साथ ही अध्यक्ष निर्मल सिंह को "प्राण प्रतिष्ठा"कार्यक्रम में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया। इस अवसर पर रतपाल सिंह गोल्डी महासचिव, राजेन्द्र सिंह राजू, परविन्दर सिंह, इकबाल सिंह, सुरेन्द्र सिंह बक्शी, रणबीर सिंह भसीन,त्रिलोक सिंह, चरनजीत सिंह, इन्दरपाल सिंह, हरविन्दर सिंह ,जसविन्दर सिंह व अन्य कमेटी सदस्य मौजूद रहे।

छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर जलवायु खतरों का दुष्प्रभाव

लखनऊ सहित 21 भारतीय शहरों में हुआ छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन

19 जनवरी, 2024 आईसीएलईआई साउथ एशिया और राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (एनआईयूए) द्वारा नई दिल्ली में हाल ही में आयोजित कार्यशाला में छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में चौंकाने वाले निष्कर्ष सामने आए हैं. इस कार्यशाला में लखनऊ, जहाँ विशेष अध्ययन किया गया, सहित 21 भारतीय शहरों में किए गए अध्ययन से जुड़े निष्कर्षों पर चर्चा की गई.

लखनऊ से संबंधित अध्ययन के निष्कर्षों से विशेष रूप से यह जानकारी सामने आई कि शहर के छोटे बच्चे और असुरक्षित आबादी विशिष्ट चुनौतियों का सामना कर रहे हैं. लखनऊ में सघन शहरीकरण, वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर और बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के लिए पर्याप्त सार्वजनिक स्थानों तक सीमित पहुंच ने संयुक्त रूप से जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को बढ़ा दिया है. ये कारक इन समूहों के बीच स्वास्थ्य और विकास संबंधी मुद्दों के बढ़ते खतरों का कारण बनते हैं.

पहला अध्ययन ष्छोटे बच्चे और जलवायु संबंधी अध्ययन (स्टडी ऑन यंग चिल्ड्रन एंड क्लाइमेट – एसवाईसीसी)ष आईसीएलईआई साउथ एशिया द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर, आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी रूड़की के साथ मिलकर किया गया जो कि वैन लीयर फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित है. आईसीएलईआई साउथ एशिया के कार्यकारी निदेशक इमानी कुमार ने कहा, "इस अध्ययन में जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण की महत्वपूर्ण चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है. विशेष रूप से 0 से 5 वर्ष की आयु के छोटे बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों, जो मुख्यतः ईसीडी साइट्स के आसपास रहते हैं, पर इन चुनौतियों के प्रभाव का मूल्यांकन किया गया है.

दूसरा अध्ययन आईसीएलईआई साउथ एशिया और आईपीएसओएस रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है. यह अध्ययन भी वैन लीयर फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित है. इसमें 18 भारतीय शहरों में छोटे बच्चों, उनकी देखभाल करने वालों और गर्भवती महिलाओं द्वारा सार्वजनिक स्थानों के उपयोग का विश्लेषण किया गया है. इसमें पारिवारिक सर्वेक्षणों और शहर के अधिकारियों के साथ साक्षात्कार के जरिए सार्वजनिक स्थानों के इस्तेमाल के तरीकों का पता लगाया गया है और यह प्रमुख बाधाओं एवं अवसरों की पहचान भी करता है. निष्कर्ष, जिनका मकसद नीति निर्माताओं को सुझाव प्रस्तुत करना है, बच्चों के अनुकूल और उनके लिए सुलभ शहरी वातावरण की आवश्यकता पर जोर देते हैं.

राम उत्सव बन गया स्कूल का वार्षिकोत्सव

स्कूली वार्षिकोत्सव भी हुआ राम मय

राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी...

जन्मों के पाप धुल जाएंगे, राम आएंगे...

स्कूली बच्चे भी रामभक्ति में हुए लीन

राम भक्ति के लिए मर्यादित होने का सबक सिखा गए बच्चे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।वाई आर मांटेसरी स्कूल खदरा के प्रबंधक राकेश जायसवाल ने बताया कि रामभक्ति के रंग से हर कोई सराबोर है। स्कूली बच्चों की क्रिएशन भी राम मय हो गई है। गांधी भवन में वाई आर मांटेसरी स्कूल के वार्षिकोत्सव में छात्र–छात्राओं की प्रस्तुतियां भी राम लला की प्राण–प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा के उत्साह में डूबी थीं। अयोध्या, राम लला और राम मंदिर के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम के आदर्शों को भी छात्र–छात्राओं ने अपनी कलात्मक सृजनात्मकता के साथ उकेरा।

ष्राम आएंगे थीम पर सीमा चतुर्वेदी के निर्देशन में बच्चों ने राम आएंगे तो अंगना सजाउंगी.. गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी। त्रेता युग में प्रभु राम की अयोध्या वापसी जैसी खुशियां वर्तमान में दोहरा रही हैं। भक्ति रस के गीत–संगीत में भाव–भंगिमाओं और नृत्य संयोजन ने प्रस्तुतियों को आकर्षक बना दिया। आध्यात्मिकता ने भरी पेशकश दर्शकों को बांधने में कामयाब रहीं। राम के आने की कल्पना मात्र से ऊर्जा का प्रसार, आनंद की अनुभूति, सुख की प्राप्ति, समृद्धि, उन्नति, प्रगति.. को बच्चों ने अपनी अभिनय क्षमता से बखूबी पेश किया। जहां मर्यादा है वहां राम है। रामभक्त बनने की पहली शर्त मर्यादित होना है। कुछ इस तरह के प्रेरणादायक संदेश देने वाली प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त नमों शंकरा, मेरे घर राम आएंगे, सबके राम, फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी, बोलो तारा रा..रा.., मेरा जूता है जापानी, मैं निकला गड्डी ने के.. जैसी

प्रस्तुतियों ने वार्षिकोत्सव में विविधता के रंग भरे। अदिती दीक्षित, जया सिंह, कार्तिकेय मिश्रा, अनुश्री अवस्थी, स्वाति, सारिका, रोहित, वेदान्त, यशि, मानस, आराध्या, अन्विधा, अनिकेत, तन्वी, प्रवीन, रौनक, अंश, दिव्यांका, वानी, नबिया इत्यादि ने अपनी–अपनी क्रिएशन

से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

अंत में वाई आर मांटेसरी स्कूल प्रमुख राकेश वर्मा ने कार्यक्रम में आए मेहमानों, दर्शकों और अभिभावकों को धन्यवाद व्यक्त किया।

२० जनवरी को विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होंगे पूर्व मंत्री महाराष्ट्र कृपाशंकर सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। महाराष्ट्र सरकार में पूर्व गृह मंत्री कृपाशंकर सिंह विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होंगे। जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने बताया कि कल दिनांक 20 जनवरी को बदलापुर विधान सभा और विकास खण्ड बक्शा के ग्राम मितावा में विकसित भारत संकल्प यात्रा में पूर्व गृह राज्य मंत्री महाराष्ट्र शामिल होंगे जिसमें वह लाभार्थी के साथ वार्ता कर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र बांटेंगे। कार्यक्रम स्थल पर प्राकृतिक खेती एवं उन्नत तकनीक की जानकारी, आयुष्मान भारत के कार्ड्स, स्वास्थ्य शिविर के आयोजन तथा पेंशन आवेदन, पीएम आवास योजना–ग्रामीण, पीएम उज्जवला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, जनधन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम विश्वकर्मा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना, नेनो उर्वरक का उपयोग आदि की जानकारी उक्त यात्रा के माध्यम से दी जायेगी।

देखो प्रभु की है क्या माया

अर्पण है तन बिटप सुधारक श्री राम तुम्हारे चरणों में।
मुक्त हुआ सृजन भूमि खुशियां चारों वर्णों में।।

खुशियां चारों वर्णों में क्या अनुपम छटा खाई है।
अवधपुरी अति पावन नगरी घर–घर में शहनाई है।।

असंख्य द्वीप दिग दिगंत में मार रही किलकारी।
सरयू की झिल मिल लहरें शोभा सिंध खरारी।।
राम नाम की धुन में देखो साधु सन्त पुजारी।।
माताएं भी गुनगुन गाए राम नाम की लोरी।।
दीपदान नैवेद्य समर्थित भक्त उतारे आरती।।
श्रद्धा के सुमन चढ़ा–चढ़ाकर बोले हर–हर भारती।।

धन धन हे पीएम, सीएम की सरकार।
जन सेवा देश को समर्पित है कितने उदार।।

है कितने उदार, जीर्णो द्धार किए राम मंदिर का।
जनता में है हर्ष व्याप्त खुशियां सात समंदर का।।

आयुष्मान भारत भी इंगित कर जनता पर उपकार किए।
गौरव है द्वय जनों का पथ प्रदर्शक जन–जन का उद्धार किए।।

गोरखपुर माटी की शौर्य , तो पीएम सदा सर्वेक्षण में।
चेहरे पर जो प्रभा निखारे वह रूप नहीं आभूषण में।।

योगी आदित्यनाथ मसीहा उत्तर प्रदेश सरकार।
जनसेवा की दृष्टि में मोदी भी हरदम तैयार।।
पीएम मोदी भी तैयार प्रेम की ज्योति जलाए हैं।
श्री राम लला के मंदिर हेतु अपना हाथ बटाएं हैं।।
अपना हाथ बटाएं, देखो प्रभु की क्या है माया।
हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख ,ईसाई सबको गले लगाया।।
करोना जैसी महामारी का उठा सक्त कदम ।
वैक्सीन लगवाना जन जन में देखें विकास का उद्‌गम।।
राशन मुहैया जन हित में चक्कर चला अन्नपूर्णा महोत्सव में।
जल जायेंगे असुर पातकी होलीका, दीपावली उत्सव में।।

आओ मिल सब वर्ण सुधारक कार्यक्रम सफल बनाएं।
देश एकता रहे अखंडता, दया धर्म, जन , जागरुकता लाएं।
कुल गुरुओ की कृपा बिलोके, जन जन का प्यार मिले।
यह काव्य सुधारक के मन माही, ह्रदय पुष्प हजार खिले।।
ह्रदय पुष्प हजार खिले, अनगिनत दीप जलाओ ।
घर घर में शहनाई बाजे श्री राम की धुन में नाचो गाओ।।
प्रेम से बोले जय श्री राम

रचयिता – राम मिलन गुप्त सुधारक पुत्र स्वर्गीय फेकू राम गुप्ता
पता ग्राम भडौरा पोस्ट मल्हनी जनपद जौनपुर यूपी

सौजन्य से,
धनन्जय विश्वकर्मा

शशाक ने यूजीसी नेट की परीक्षा में पाई सफलता

किसी कोचिंग संस्थान की मदद नहीं ली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वित्तीय अध्ययन विभाग में एमबीए (फाइनेंस एंड कण्ट्रोल) के तृतीय सेमेस्टर के छात्र शशांक भारती ने यूजीसी नेट (प्रबंधन विषय) की परीक्षा में सफलता अर्जित की। यूजी सीदृ नेट अखिल भारतीय स्तर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के माध्यम से विभिन्न विषयों यह परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित कराई जाती है। यह परीक्षा महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद नियुक्ति की योग्यता प्रदान करती है।

विगत वर्ष के माह दिसंबर में आयोजित परीक्षा का परिणाम दिनांक 19 जनवरी को सुबह आया। इस परीक्षा में लगभग 944000 से ज्यादा अभ्यर्थी सम्मिलित हुए थे।

आज सुबह परिणाम का पता चलते ही शशांक और उनके परिवार में खुशी के लहर दौड़ गयी। उन्होंने बताया कि वे इस परीक्षा की तैयारी खुद से की तथा किसी कोचिंग संस्थान की मदद नहीं ली। नियमित कक्षाएं करना और प्रतिदिन 6 घंटे तयारी से वे अपने प्रथम प्रयास में यह सफलता पायी। उन्होंने यह भी बताया कि कोई भी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए आत्मविश्वास और दृढ़ता अति आवश्यक है जिससे कठिन से कठिन परीक्षा भी आसान हो जाती है। शशांक ने इस सफलता का श्रेय अपने माता–पिता के अलावा संकायाध्यक्ष प्रो. अजय द्विवेदी (अधिष्ठाता छात्र कल्याण), सभी गुरुओं के साथ साथ विभाग के कर्मचारी व अपने मित्रों को दिया जिनके मार्गदर्शन व सहयोग से यह परीक्षा में सफल हो पाए। विभाग के शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी है।

भव्य राम मन्दिर, कोई आपदा आए, कुछ नहीं होगा

भूकंप और बाढ़ राम मंदिर पर होगी बेअसर

प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 को, नहीं शामिल होंगे आर्किटेक्ट

संवाददाता

लखनऊ। राम की नगरी अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होगी, तैयारियां पूरी हैं। मंदिर में पूजन शुरू है। पीएम नरेन्द्र मोदी समेत 7000 मेहमान समारोह में शामिल होंगे। मंदिर के आर्किटेक्ट का दावा है, मंदिर पर भूकंप व बाढ़ का असर नहीं होगा। अहमदाबाद बीआरडी के आर्किटेक्ट चंद्रकांत के मुताबिक 1,200 करोड़ रुपये के राम मंदिर का हिमालय क्षेत्र में आने वाली बाढ़ व भूकंपरोधी होने के लिए परीक्षण किया गया है। मंदिर 2,500 साल तक सुरक्षित रहेगा। सोमपुरा और उनके बेटे आशीष ने मंदिर परिसर को डिजाइन किया। आर्किटेक्ट स्वास्थ्य कारणों के कारण अभिषेक में नहीं पहुंचेंगे लेकिन इच्छा है कि जब मंदिर पूरा हो जाए तो सभी धर्मों के लोगों के लिए खोला जाये। चंद्रकांत ने देश और विदेश में 200 से अधिक मंदिरों को डिजाइन किया है। वह खुश हैं कि इस प्रोजेक्ट में उनके बेटे का हाथ है जो पेशेवर डिग्री के साथ परिवार में पहला मंदिर आर्किटेक्ट है। दुनिया का पहला मंदिर होगा, जिसके निर्माण से पहले आपदा प्रतिरोध के लिए 3डी स्ट्रक्चरल एनालिसिस हुई , जिसमें रिएक्टर पैमाने पर 8 तक के भूकंप भी शामिल हैं। रूड़की में सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ने स्ट्रक्चरल एनालिसिस किया कि चाहे कोई भी आपदा आए, इस मंदिर को कुछ नहीं होगा। यह उच्चतम बाढ़ स्तर से 20 फीट अधिक है। राम मंदिर की दूसरी अनूठी विशेषता सूर्य तिलक है, जहां छत पर लेंस लगाए जाएंगे ताकि सूर्य की किरणें राम नवमी के दिन मूर्ति के माथे पर पड़ें।

यूपी विधान परिषद उपचुनाव ने लिए दारा सिंह चौहान ने दाखिल किया नामांकन, सीएम योगी रहे मौजूद

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान ने राज्य विधान परिषद में उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के तौर पर बृहस्पतिवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक आदि मौजूद थे। दारा सिंह चौहान 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार के रूप में घोसी से विधायक चुने गए थे लेकिन पिछले साल भाजपा में शामिल होने के लिए उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वहां हुए उपचुनाव में वह भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे लेकिन उन्हें समाजवादी पार्टी (सपा) के सुधाकर सिंह के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। सपा में शामिल होने से पहले चौहान भाजपा में ही थे। चौहान अत्यंत पिछड़ी जाति से आते हैं। विधान परिषद उपचुनाव में उनका जीतना लगभग तय माना जा रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले उन्हें उम्मीदवार बनाने का भाजपा का फैसला राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। पार्टी ने मंगलवार को एक बयान में कहा था कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद उपचुनाव के लिए केंद्रीय चुनाव समिति ने दारा सिंह चौहान के नाम को स्वीकृति दी है। इस सीट के लिए उपचुनाव 30 जनवरी को होगा।

प्रो. शीलू शफीक डायबिटीज सेंटर के निदेशक बने

संवाददाता / अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालिज के राजीव गांधी सेंटर फॉर डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी के प्रोफेसर शीलू शफीक सिद्दीकी को केंद्र का नया निदेशक नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष के लिए होगा। एंडोक्रिनोलॉजी के क्षेत्र में वरिष्ठ चिकित्सक प्रोफेसर सिद्दीकी ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 70 से अधिक शोध लेख प्रकाशित करने और विभिन्न सम्मेलनों में लगभग पचास पत्र प्रस्तुत करने के अलावा, एक किताब और तीन पुस्तक अध्याय लिखे हैं।

कल नगर में निकलेगी श्रीरामोत्सव शोभा यात्रा

संवाददाता

लखनऊ। श्रीअयोध्याधाम जन्मभूमि नव्य मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में एक ऐतिहासिक श्रीरामोत्सव शोभा यात्रा लखनऊ में दिनांक 20 जनवरी 2024, शनिवार, पूर्वाह्न 10 बजे से होने जा रही है। शोभा यात्रा संयोजक उत्तर विधानसभा विधायक डा नीरज बोरा ने कहा कि लखनऊ की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक संस्थाओं के तत्वावधान तथा भगवद्‌चरणानुरागी इस शोभा यात्रा में सम्मिलित होगे इस ऐतिहासिक शोभा यात्रा में सम्मिलित हों, करोड़ों–करोड़ सनातनियों के मन में बसने वाले प्रभु राम का स्वागत करेगे। समाजसेविका बिंदु बोरा ने बताया कि 20 जनवरी की शोभा यात्रा हेतु भगवान श्रीराम दरबार के रथ का श्रंगार अलीगंज स्थित श्रीमान शरद जी के आवास पर प्रारंभ हो चुका है, इस रथ की खूबी यह है कि इसे रस्सी से खींच कर ले जाया जाएगा भगवान के विभिन्न स्वरूप के दर्शन भी प्राप्त होगें मार्ग में स्थान स्थान पर आरती और पुष्प वर्षा होगी। प्रवक्ता अनुराग साहू ने बताया कि शोभा यात्रा प्रात 10 बजे आरम्भ सरस्वती शिशु मन्दिर, निराला नगर होकर डालीगंज बाजार, आई.टी.चौराहा, हनुमान सेतु होते हुए खाटूश्याम मन्दिर, गोमती तट समापन के प्रसादी आयोजन किया जाएगा।

शिवसेना के प्रदेश संयोजक बने समाजसेवी गजेंद्रमणि त्रिपाठी

संवाददाता

लखनऊ। शिवसेना के राष्ट्रीय सचिव कैप्टन अभिजीत अर्जुन के निर्देश पर उत्तर प्रदेश प्रमुख अभय द्विवेदी ने प्रदेश कार्यकारिणी शिवसेना प्रदेश संयोजक के रूप में समाजसेवी गजेंद्रमणि त्रिपाठी की नियुक्ति की है। यह नियुक्ति पार्टी के मुख्य नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में की गई है। प्रदेश प्रमुख अभय द्विवेदी की तरफ से जारी नियुक्ति पत्र में गजेंद्रमणि त्रिपाठी को बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा और धर्मवीर आनंद दिघे साहब की शिक्षाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने की जिम्मेदारी दी गई है। श्री त्रिपाठी को यूपी में शिवसेना को मजबूत करने के लिए समान विचारधारा के लोगों को साथ में जोड़कर काम करने के लिए कहा गया है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।